ये अव्यक्त इशारे

# प्रतिज्ञा द्वारा अपने सम्पूर्ण रूप से परमात्म प्रत्यक्षता के निमित्त बनो

***6-02-2023***

कोई भी कार्य के लिए पहले प्रतिज्ञा होती है फिर प्लैन होता है। फिर होता है प्रैक्टीकल। और प्रैक्टीकल के बाद फिर होती है चेकिंग कि यह हुआ, यह नहीं हुआ। चेकिग के बाद जो बीती सो बीती, आगे उन्नति का साधन रखते हैं। तो पुरूषार्थ में जो भी नुकसानकारक बातें हैं, उन्हें समेटने और समाने की प्रतिज्ञा करो फिर उसको चेक भी करो।

## With your promise and your perfect form, become an instrument to reveal God.

For a task you first make a promise and then make a plan. Then it is put into practice. Then, after being put into practice, the checking takes place as to whether something happened or not. After checking, you let the past be the past and remain cautious for the future. Promise to finish and merge the things that are damaging your efforts and then keep checking that.